सांझी बनाने की प्रतियोगिता में भगत फूल सिंह महिला विवि की टीमें छाई

- कुरुक्षेत्र विवि में विरासत नाम से सांझी प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

कुरुक्षेत्र विवि में विरासत नाम से 5वीं सांझी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां की पांच में से चार टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भगत फूल सिंह महिला विवि की संस्कृति एवं युवा कार्यक्रम निदेशक प्रो. सुषमा ज़ोशी के नेतृत्व में विवि की पांच टीमों ने सांझी प्रतियोगिता में भाग लिया। इनमें पहली टीम स्वयं प्रो. सुषमा जोशी, ज्योति, कुसुम एवं काजल, दूसरी टीम संतरा, सुनीता, पावनी एवं मेघा, तीसरी टीम कुमारी नंदिनी, अनु, वंदना एवं वंशिका, चौथी टीम कुमारी निशा सिहाग, साक्षी, पलक, मोनिका और पांचवी टीम कुमारी निशा भारती, मीनाक्षी, आरती एवं रिया पर आधारित रही। प्रतियोगिता में महिला विवि द्वारा 5 सांझी बनाई गई जिनमें से चार सांझी विजेता घोषित की गई। विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

अतिथियों से प्रतियोगिता में उपहार राशि प्राप्त करती महिला विवि की छात्राएं।

महिला विश्वविद्यालय की एक विजेता टीम पुरस्कार ग्रहण करते हुए।(अरोड़ा)

सांझी प्रतियोगिता के 5 में से 4 पुरस्कार बी.पी.एस. ने जीते

गोहाना, 24 सितम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय ने कुरुक्षेत्र में 'विरासत' नाम से आयोजित 5वीं सांझी प्रतियोगिता में भाग लिया। विश्वविद्यालय की संस्कृति एवं युवा कार्यक्रम निदेशक डॉ. सुषमा जोशी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की 5 टीमों ने सांझी प्रतियोगिता में भाग लिया। इनमें से 4 टीमें विजेता बनीं।

प्रथम टीम स्वयं डॉ. सुषमा जोशी के साथ ज्योति, कुसुम एवं काजल, दूसरी टीम में संतरा, सुनीता के साथ पावनी एवं मेघा, तीसरी टीम में नंदिनी, अनु, वंदना एवं वंशिका, चतुर्थ टीम में निशा सिहाग, साक्षी, पलक और मोनिका, 5वीं टीम में निशा भारती, मीनाक्षी, आरती एवं रिया रही।

महिला विश्वविद्यालय द्वारा 5 सांझी बनाई गईं। इनमें से 4 सांझी विजेता घोषित की गईं। निशा की टीम को 11000 रुपए, डॉ. सुषमा जोशी की टीम को 5100 रुपए, नंदिनी की टीम को 3100 रुपए तथा निशा भारती की टीम को 1000 रुपए का नकद पुरस्कार मिला।

सांझी प्रतियोगिता में बीपीएस की चार टीमें बनी विजेता

गोहाना | बीपीएस महिला विवि ने कुरुक्षेत्र में विरासत कार्यक्रम के तहत 5वीं सांझी प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें विवि की पांच टीमों ने संस्कृति एवं युवा कार्यक्रम निदेशक डॉ. सुषमा जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता में विवि की चार टीमें विजेता बनीं। पहली टीम सुषमा जोशी,ज्योति, कुसुम व काजल, दूसरी टीम में संतरा, सुनीता, पावनी व मेघा, तीसरी टीम में नंदिनी, अनु, वंदना व वंशिका, चौथी टीम में निशा सिहाग, साक्षी, पलक व मोनिका शामिल रहीं। निशा की टीम को 11 हजार, डॉ. सुषमा जोशी की टीम को 5100, नंदिनी की टीम को 3100 और निशा भारती की टीम को 1000 रुपए का नकद पुरस्कार मिला। कुलपति प्रो. सुदेश ने विजेताओं को प्रोत्साहित किया।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की चार टीमें रही सांझी विजेता, किया सम्मानित

गोहाना, 24 सितम्बर (रामनिवास धीमान) : उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय ने कुरुक्षेत्र में आयोजित 'विरासत' नाम से आयोजित 5वीं सांझी प्रतियोगिता में प्रो. सुषमा जोशी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की पांच टीमों ने भाग लिया। जानकारी देते हुए प्रो. सुषमा ने बताया कि महिला विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई पांच सांझी में से चार सांझी विजेता घोषित की गई। प्रो. जोशी ने बताया कि विवि की चौथी टीम जिसका नेतृत्व कुमारी निशा ने किया को रुपए 11000 का नकद पुरस्कार, वहीं प्रो. सुषमा जोशी की टीम को रुपए 5100 का नकद पुरस्कार, कुमारी नंदिनी की टीम को 3100 का नकद पुरस्कार तथा कुमारी निशा भारती की टीम को रुपये 1000 का नकद पुरस्कार मिला। प्रो. सुषमा जोशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 49 टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी व विशिष्ट अतिथि के रूप में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर विभिन्न एनएसएस यूनिट द्वारा एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंस्टीच्यूट ऑफ हायर लर्निंग में प्राचार्या प्रो. सुषमा जोशी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो. जोशी ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण एक सन्देश दिया और एक स्वच्छता जागरूकता रैली भी निकली। वही विधि विभाग में आयोजित कार्यक्रम में चीफ वार्डन प्रो. शालिनी ने पौधारोपण की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष जीवन और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने स्वयं पौधा लगाकर वॉलंटियर्स को उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष डॉ. पवन ने पौधों के महत्व और उनके जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों पर अपने विचार रखे।

विद्यार्थियों ने दिया संतुलित आहार का संदेश

गोहाना | बीपीएस महिला विवि में फूड एंड न्यूट्रिशन विभाग द्वारा मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह का शुक्रवार को समापन हो गया। बेहतर जीवन के लिए सही आहार थीम पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जागरूकता संदेश देना था। इसके तहत शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभागिता करके संतुलित आहार का संदेश संदेश दिया। फूड एंड न्यूट्रिशन विभाग की अध्यक्ष प्रो. बीनू तंवर के अनुसार कार्यक्रम में असम में डिब्रूगढ़ स्थित रेनोफिट किडनी केयर की डॉ. चयनिका शर्मा ने छात्राओं को रोग निवारण और स्वास्थ्य संवर्धन में कार्यात्मक खाद्य पदार्थों की भूमिका पर प्रकाश डाला। हैदराबाद स्थित भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विकास कुमार ने पोषणात्मक और टिकाऊ महत्व तथा खाद्य और पोषण सुरक्षा में उनकी भूमिका की जानकारी दी। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के केंद्रीय विवि से सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीता के साथ प्रो. नूतन और डॉ. परविंदर भी मौजूद रहे।

हिंदी दुनिया में तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा

गोहाना | शिक्षाविद् एवं विचारक डॉ. मंजू ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी एकता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। यह वह धागा है, जो भारत की विविधता को भावनात्मक रूप से एक साथ पिरोता है। दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा के रूप में संविधान द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी को आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया गया था। हिंदी आज भारत की विश्व गुरु बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऐसे में हम हिंदी को अपनाने में गर्वित महसूस करें। वे बीपीएस महिला विवि के हिंदी विभाग में आयोजित हिंदी पखवाड़े के समापन पर शुक्रवार को छात्राओं को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कई उदाहरण देकर हिंदी में कार्य और रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य के लिए पोषण युक्त आहार जरूरी

- फूड एंड न्यूट्रीशन विभाग द्वारा मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। कार्यक्रम में गतिविधि करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां में शुक्रवार को फूड एंड न्यूट्रीशन विभाग द्वारा मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह का समापन हो गया। बेहतर जीवन के लिए सही आहार थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य और पोषण सम्बन्धी लोगों में जागरूकता संदेश देना था। कार्यक्रम में शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता करके जागरूकता संदेश दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. बीनू तंवर ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए पोषण युक्त आहार का सेवन जरूरी है। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने हाथों में नारे लिखे बैनर और तख्तियां लेकर संतुलित भोजन स्वास्थ्य का आधार संदेश दिया। कार्यक्रम में डिबरूगढ़ असम स्थित रेनोफिट किडनी केयर की डॉ. चयनिका शर्मा, ब्रोमेटोलॉजिस्ट एवं क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट, ने छात्राओं को रोग निवारण और स्वास्थ्य संवर्धन में कार्यात्मक खाद्य पदार्थों की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. विकास कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने पोषणात्मक और टिकाऊ महत्व तथा खाद्य और पोषण सुरक्षा में उनकी भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ से सहायक प्रो. डॉ. अनीता कुमारी ने भी छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

हिंदी तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि के हिंदी विभाग में आयोजित हिंदी पखवाड़े का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में दैनिक जीवन में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया गया। संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. मूर्ति मलिक का रहा। शिक्षाविद् एवं विचारक डॉ. मंजू ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है बल्कि यह हमारी एकता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। वह धागा है जो भारत की विविधता को भावनात्मक रूप से एक साथ पिरोता है। दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा के रूप में संविधान द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी को आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया था। हिंदी आज भारत की विश्व गुरु बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हिंदी को अपनाने में गर्वित महसूस करें। डॉ. मंजू ने कई उदाहरण देकर हिंदी में कार्य और रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित किया।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पोषणयुक्त आहार जरूरी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में शुक्रवार को फूड एंड न्यूट्रिशन विभाग की ओर से मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह का समापन हो गया। बेहतर जीवन के लिए सही आहार थीम पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य और पोषण संबंधी लोगों में जागरूकता संदेश देना रहा। विभागाध्यक्ष प्रो. बीनू तंवर ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए पोषणयुक्त आहार लेना जरूरी है। कार्यक्रम में छात्राओं ने नारे लिखे बैनर और तख्तियां लेकर संतुलित भोजन स्वास्थ्य का आधार संदेश दिया। केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ की सहायक प्रो. डॉ. अनीता कुमारी ने भी छात्राओं का मार्गदर्शन किया। इस आयोजन में प्रो. नूतन और डॉ. परविंदर ने विशेष भूमिका निभाई। संवाद

हिंदी के अधिक उपयोग पर दिया बल

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़े का शुक्रवार को समापन हो गया। इसमें दैनिक जीवन में हिंदी के अधिक से अधिक उपयोग पर बल दिया गया। संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. मूर्ति मलिक का रहा।

शिक्षाविद डॉ. मंजू ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि यह हमारी एकता और सांस्कृतिक की पहचान की प्रतीक है। यह वह धागा है जो भारत की विविधता को भावनात्मक रूप से एक साथ पिरोती है।

हिंदी आज भारत की विश्व गुरु बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हिंदी को अपनाने में गर्व महसूस करें। उन्होंने कई उदाहरण देकर हिंदी में कार्य और रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित किया। संवाद

छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता।

हिंदी पखवाड़े के समापन पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

गोहाना, 26 सितम्बर (रामनिवास धीमान): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग में हिंदी पखवाड़े का समापन विस्तार व्याख्यान आयोजन के साथ किया गया कार्यक्रम में डॉ. मंजू (शिक्षविद विचारक) ने हिंदी के महत्व पर बल देते हुए कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी एकता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। यह वह धागा है जो भारत की विविधता को भावनात्मक रूप से एक साथ पिरोता है। दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा के रूप में संविधान द्वारा 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को आधिकारिक राजभाषा का दर्जा दिया गया था, और यह निर्णय आज भी हमारे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि हिंदी को अपनाने में गर्वित महसूस करें और अनेक उदाहरण देकर हिंदी में कार्य और रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को प्रारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. मूर्ति मालिक ने मुख्य वक्ता के स्वागत के साथ किया। आयोजन में विभाग की सभी छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

जीवन का पहला सुख निरोगी काया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। गोहाना

गोहाना। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते मुख्य अतिथि डॉ. शिवम माहेश्वरी। फोटो : हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में रविवार को श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्रा. लि. (झांसी) के सहयोग से सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान विषय पर आयोजित अध्यक्षता आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ. एपी नायक ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता बैधनाथ आयुर्वेदा से वरिष्ठ आयुर्वेद परामर्शदाता डॉ. शिवम माहेश्वरी ने कहा कि स्वस्थ समाज स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण का आधार होता है। वेदों में भी पहला सुख निरोगी काया बताया गया है। आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ. एपी नायक ने कहा कि यह आयोजन महिला स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करने एवं छात्राओं को शैक्षणिक रूप से समृद्ध करने की दिशा में एक सराहनीय कदम सिद्ध हुआ। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सोनिया श्योराण, द्वितीय पुरस्कार पायल तुंगल व तृतीय पुरस्कार अंजलि चौधरी ने प्राप्त किया। डॉ. नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

क्विज प्रतियोगिता में सोनिया श्योराण प्रथम, पायल तुंगल द्वितीय तथा अंजली चौधरी तृतीय रही

गोहाना, 28 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्रा. लि. (झांसी) के सहयोग से सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान विषय पर आयोजित कार्यक्रम में. मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ शिवम माहेश्वरी, वरिष्ठ आयुर्वेद परामर्शदाता, बैद्यनाथ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ ए पी नायक ने की। डॉ शिवम माहेश्वरी ने महिला स्वास्थ्य को परिवार एवं समाज की शक्ति का आधार बताते हुए अत्यंत प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण का आधार होता है। वेदों में भी पहला सुख निरोगी काया बताया गया है। आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ ए पी नायक ने कहा कि इस अवसर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सुश्री सोनिया श्योराण, द्वितीय पुरस्कार सुश्री पायल तुंगल तथा तृतीय पुरस्कार सुश्री अंजली चौधरी ने प्राप्त किया। डॉ. नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते मुख्यातिथि डॉ. शिवम माहेश्वरी।

टैलेंट हंट, 2025 के अन्तर्गत फाइन आर्ट्स की प्रतियोगिता के विजेताओ को किया सम्मानित

गोहाना, 28 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आज टैलेंट हंट, 2025 के अन्तर्गत फाइन आर्ट्स की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुषमा जोशी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। फाइन आर्ट्स के अन्तर्गत मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, क्ले माडलिंग तथा रंगोली बनाओ प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिसमें मेहंदी में अंशु प्रथम, निशा द्वितीय, मुस्कान तृतीय। रंगोली, में मिनाक्षी प्रथम, आरती द्वितीय, रितिका तृतीय रही। पोस्टर में दीपा प्रथम, आरती द्वितीय, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में रीतिका प्रथम, प्राची द्वितीय रही। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. उपासना, डॉ. अनिता, प्रीति धनखंड उपस्थित रही। डॉ. सुषमा जोशी ने विजेता छात्राओ को बधाई दी एवं उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए सम्मानित किया।

मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में प्रतिभागी।

स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण का आधार होता है स्वस्थ समाज : डॉ. शिवम

गोहाना.कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ. शिवम माहेश्वरी।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बैद्यनाथ के वरिष्ठ आयुर्वेद परामर्शदाता डॉ. शिवम माहेश्वरी ने कहा कि स्वस्थ समाज, स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण का आधार होता है। वेदों में भी पहला सुख निरोगी काया बताया गया है। वे रविवार को बीपीएस महिला विवि के आयुर्वेद संस्थान में बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महिला स्वास्थ्य को परिवार एवं समाज की शक्ति का आधार बताया।

आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य डॉ. एपी नायक ने कहा कि यह आयोजन महिला स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करने एवं छात्राओं को शैक्षणिक रूप से समृद्ध करने की दिशा में एक सराहनीय कदम सिद्ध हुआ। इस दौरान सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने पर सोनिया श्योराण प्रथम, पायल तुंगल द्वितीय व अंजली चौधरी तृतीय रहीं। इस मौके पर डॉ. नरेश कुमार भी मौजूद रहे।

गोहाना। गरबा उत्सव में छात्राओं संग कुलपति प्रो. सुदेश व शिक्षकगण।

गरबा उत्सव में झूमे शिक्षक-छात्राएं

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां में नवरात्रि के उपलक्ष्य में छात्रावास में रहने वाली छात्राओं व विवि परिसर में रह रहे समस्त स्टाफ के लिए गरबा नाइट का आयोजन किया। चीफ वार्डन प्रो. शालिनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि छात्राओं को भारतीय संस्कृति से परिचित करवाया। कुलपति ने कहा कि नवरात्रि मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व है। यह उत्सव न केवल भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि यदि हम संगठित, अनुशासित और सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ें तो अंधकार पर प्रकाश की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय संभव है। उन्होंने कहा कि गरबा और डांडिया सिर्फ नृत्य नहीं हैं—ये हमारी संस्कृति, एकता और सामूहिक आनंद का प्रतीक हैं। जब आप ताल और लय के साथ एक दूसरे के साथ नृत्य करते हैं तो वह समरसता और सहयोग की भावना को भी दर्शाता है।

गरबा-डांडिया नृत्य संस्कृति के प्रतीक : सुदेश

गोहाना | बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि गरबा और डांडिया सिर्फ नृत्य नहीं, बल्कि ये हमारी संस्कृति, एकता और सामूहिक आनंद का प्रतीक हैं। जब आप ताल और लय के साथ एक-दूसरे के साथ नृत्य करते हैं तो वह समरसता और सहयोग की भावना को भी दर्शाता है। इस प्रकार के आयोजन हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं। ऐसे कार्यक्रम केवल मनोरंजन नहीं हैं बल्कि व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समझ को भी विकसित करते हैं। प्रो. सुदेश ने कहा कि नवरात्र मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व है। यह उत्सव न केवल भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि यदि हम संगठित, अनुशासित और सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ें तो अंधकार पर प्रकाश की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय संभव है। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति से परिचित कराया। छात्राओं के रंग-बिरंगे परिधान व पारंपरिक संगीतों शाम को अविस्मरणीय बनाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता चीफ वार्डन प्रो. शालिनी ने की। इस मौके पर सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे

टैलेंट हंट में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

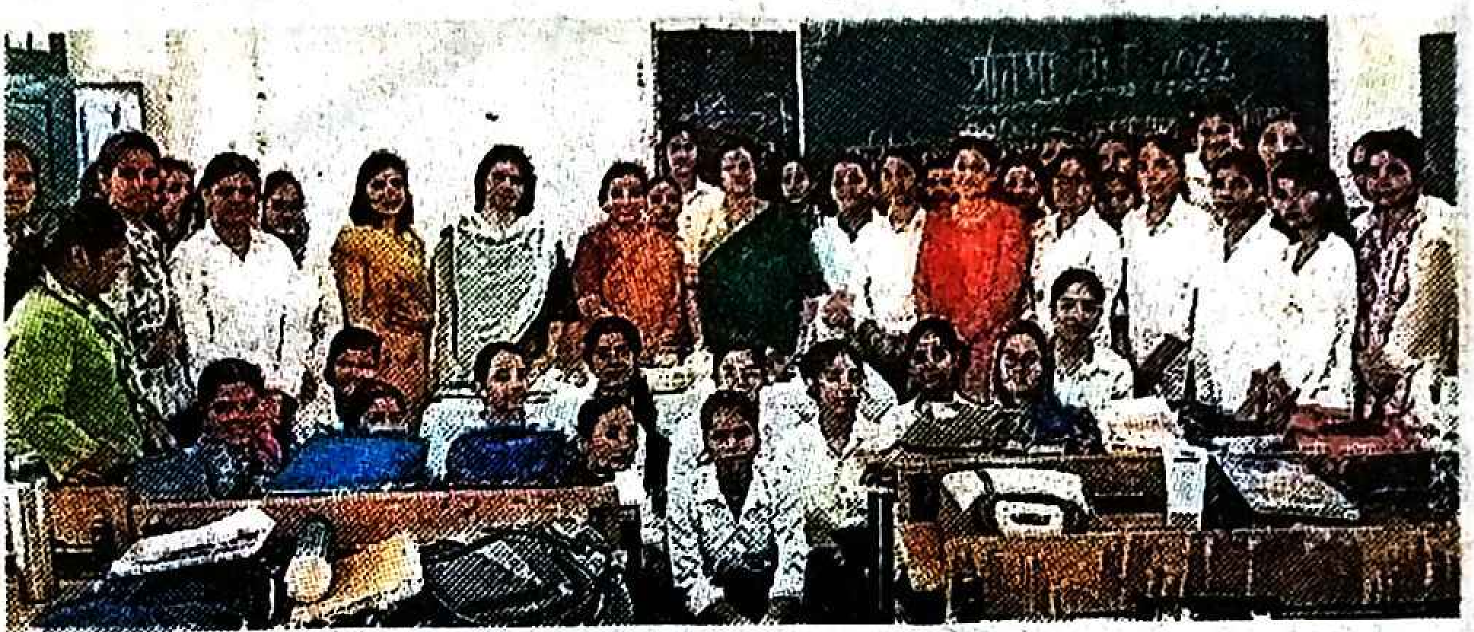

गोहाना। बीपीएस महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में शनिवार को टैलेंट हंट-2025 का आयोजन किया गया। पहले दिन साहित्यिक गतिविधियों के अंतर्गत हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और हरियाणवी में काव्य पाठ और संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस दौरान हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता में वंदना प्रथम, गीता द्वितीय व लावण्या तृतीय रहीं। उर्दू कविता में सईबा प्रथम, शाजिया द्वितीय, अंग्रेजी काव्य पाठ में जसलीन प्रथम, आकांक्षा द्वितीय व मीनाक्षी तृतीय रहीं। हरियाणवी काव्य पाठ में नंदिनी प्रथम, विनती द्वितीय, संस्कृत श्लोकोच्चारण में प्रिया प्रथम, कंचन द्वितीय व तन्मयता तृतीय रहीं। हिंदी भाषण में नंदिनी प्रथम, सोनू द्वितीय और अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में मृत्ति प्रथम, रिति द्वितीय व सृजन तृतीय रहीं। डिबेट में छात्रा वंदना और विवेक प्रतियोगिता में लावण्या प्रथम रहीं। विजेताओं को प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी ने सम्मानित किया।

गरबा नाइट: रंग-बिरंगे परिधानों में छात्राओं ने दी प्रस्तुतियां

महिला विश्वविद्यालय में गरबा नाइट में वी.सी. के साथ छात्राएं।(अरोड़ा)

गोहाना, 27 सितम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में नवरात्र के उपलक्ष्य में छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं और स्टाफ के लिए गरबा नाइट का आयोजन किया गया। छात्राओं ने प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति से परिचित कराया।

चीफ वार्डन प्रो. शालिनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वी.सी. प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक संगीत और छात्राओं के उत्साह ने शाम को अविस्मरणीय बनाया।

वी.सी. ने कहा कि नवरात्र मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व है। यह उत्सव न केवल भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि यदि हम संगठित, अनुशासित और सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ें तो अंधकार पर प्रकाश की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय संभव है।

उन्होंने कहा कि गरबा और डांडिया सिर्फ नृत्य नहीं बल्कि ये हमारी संस्कृति, एकता और सामूहिक आनंद का प्रतीक है। जब आप ताल और लय के साथ एक-दूसरे के साथ नृत्य करते हैं, तो वह समरसता और सहयोग की भावना को भी दर्शाता है।

इस मौके पर सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

गरबा-डांडिया केवल नृत्य नहीं बल्कि संस्कृति के प्रतीक

गरबा नाइट कार्यक्रम में छात्राएं कुलपति प्रो. सुदेश के साथ में • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में नवरात्र के उपलक्ष्य में छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं व स्टाफ के लिए गरबा नाइट का आयोजन किया गया। चीफ वार्डन प्रो. शालिनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक संगीत और छात्राओं के उत्साह ने शाम को यादगार बनाया।

कुलपति ने कहा कि नवरात्र मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व है। यह उत्सव न केवल भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि यदि हम संगठित, अनुशासित और सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ें तो अंधकार पर प्रकाश की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय संभव है। गरबा और डांडिया सिर्फ नृत्य नहीं बल्कि ये हमारी संस्कृति, एकता और सामूहिक आनंद का प्रतीक हैं। जब आप ताल और लय के साथ एक-दूसरे के साथ नृत्य करते हैं तो वह समरसता और सहयोग की भावना को भी दर्शाता है। इस प्रकार के आयोजन हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता व सामाजिक समझ को भी विकसित करते हैं। इस मौके पर सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हिन्दी, अंग्रेज़ी, उर्दू, हरियाणवी तथा संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

प्रतिभागी छात्राओं के साथ प्रो. सुषमा जोशी व अन्य।

गोहाना, 27 सितम्बर (रामनिवास धीमान): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में आज टैलेंट हंट–2025 का आरम्भ हुआ। पहले दिन साहित्यिक गतिविधियों के अन्तर्गत काव्य पाठ प्रतियोगिताएं (हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, हरियाणवी) तथा संस्कृत श्लोकोच्चारण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी ने किया। डॉ. जोशी ने बताया कि हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता में बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा वंदना प्रथम, द्वितीय स्थान गीता, जबकि बी एस सी प्रथम वर्ष की छात्रा लावण्या तृतीय स्थान पर रही। उर्दू कविता में प्रथम स्थान बी ए तृतीय वर्ष की सईबा, द्वितीय स्थान बी ए तृतीय वर्ष की ही शाजिया, अंग्रेजी काव्य पाठ में बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा जसलीन प्रथम, द्वितीय स्थान पर बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा आकांक्षा तथा तृतीय स्थान मीनाक्षी ने प्राप्त किया। हरियाणवी काव्य पाठ में (बी एस सी फिजिक्स प्रथम वर्ष की छात्रा नंदिनी प्रथम, दूसरा स्थान बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा विनती। संस्कृत श्लोकोच्चारण में प्रिया ने प्रथम, द्वितीय स्थान कंचन तथा तृतीय स्थान तन्मयता ने प्राप्त किया। हिन्दी भाषण में प्रथम स्थान नंदिनी, द्वितीय स्थान कुमारी सोनू। अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मृत्ति जबकि द्वितीय स्थान रिति ने तथा सृजन नें तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिबेट प्रतियोगिता में तृतीय वर्ष की छात्रा वंदना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रो. जोशी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को बधाई देकर सम्मानित किया भी दी।अंत में विवेक प्रतियोगिता में कुमारी लवण्या प्रथम स्थान पर रही।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में नवरात्रि उत्सव पर गरबा नाइट का आयोजन

मोहाना, 27 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में नवरात्रि के उपलक्ष्य में छात्रावास में रहने वाली छात्राओं व विश्वविद्यालय परिसर में रह रहे समस्त स्टाफ के लिए गरबा नाइट का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता चीफ वार्डन प्रो. शालिनी द्वारा की गई तथा महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्यातिथि छात्राओं को भारतीय संस्कृति से परिचित करवाया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि नवरात्रि, मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना का पर्व है। यह उत्सव न केवल भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि यदि हम संगठित, अनुशासित और सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ें तो अंधकार पर प्रकाश की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय संभव है। उन्होंने कहा कि गरबा और डांडिया सिर्फ नृत्य नहीं हैं ये हमारी संस्कृति, एकता और सामूहिक आनंद का प्रतीक हैं। जब आप ताल और लय के साथ एक-दूसरे के साथ नृत्य करते हैं, तो वह समरसता और सहयोग की भावना को भी दर्शाता है कुलपति ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम केवल मनोरंजन नहीं हैं ये हमारे व्यक्तित्व, हमारी नेतृत्व क्षमता और हमारी सामाजिक समझ को भी विकसित करते हैं।कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन सह छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ मोनिका ने किया।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश।